* प्रो० शेखर पाठक के लेख के अनुसार, जब पहली बार 1867 में प्रेस आई तो उसके माध्यम से 'समय विनोद' निकला था।

* अगर उत्तराखण्ड का पहला अखबार मसूरी ने दिया, तो अंग्रेजों की ही चहेती नैनीताल ने पहला हिन्दी और उर्दू अखबार 'समय विनोद' दिया था। यहां उल्लेख करना जरुरी है कि मसूरी में अंग्रेज कैप्टन यंग और देहरादून के अधीक्षक मिस्टर शोर सन् 1825 में पहुँच गये थे। जबकि नैनीताल में अंग्रेजो के कदम 1839 में पड़े। उस समय आगरा में चीनी उत्पादन के कारोबार से जुड़ा अंग्रेज व्यापारी पीटर बैरन अपने मित्र के साथ भटक कर नैनीताल पहुंचा। उसके बाद 1841 से इस झील के चारो ओर अंग्रेजो के शानदार बंगले, क्लब और मनोरंजन स्थल बनने लगे।

⇒ गोपाल सिंह भण्डारी का 'उत्तर उजाला' कुमाँऊ का पहला दैनिक हिन्दी अखबार था

⇒ 'हादी-ए-आजम' कुमाऊँ का दूसरा उर्दू अखबार था

⇒ स्वाधीनता संग्रामी अखबारो की जननी — अल्मोड़ा

⇒ अल्मोड़ा को कुमाऊँ की सांस्कृतिक राजधानी के नाम से भी पुकारा जाता है।

* जागृत जनता (1938) — पीताम्बर पाण्डे
* हादी-ए-आजम (1936) — वकील निसार अहमद

UTTARAKHAND EXAM NOTES

⇒ 1870 में सत्ताच्युत चंद राजवंश के वंचित उत्तराधिकारी राजा भीम सिंह की अध्यक्षता में अल्मोड़ा में एक मिलन केन्द्र या चर्चा स्थल (डिबेटिंग क्लब) स्थापित हो गया। यह क्लब वास्तव में उस जमाने के विख्यात शिक्षा शास्त्री पंडित बुद्धि वल्लभ पंत के दिमाग की उपज थी। क्लब की स्थापना के बाद उसमें तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर विलियम म्यूर को लाने का श्रेय भी पंत को ही जाता है। म्यूर ने समाज में जागृति लाने के लिए एक अखबार शुरु करने का सुझाव दिया, उस समय यह अनुमान नहीं था कि एक दिन यही अखबार अंग्रेजी शासन की जड़ों में मट्ठा डालना शुरु कर देंगे।

बहरहाल, 1871 में पंडित बुद्धि वल्लभ पंत के संपादकत्व में 'अल्मोड़ा अखबार' का जन्म हुआ। यह कूर्मांचल में उद्देश्यपूर्ण पत्रकारिता की शुरुआत थी बाद में 'समय विनोद' के बंद होने के कारण अल्मोड़ा अखबार का कुमाऊँ में एक छत्र प्रसार हो गया। अल्मोड़ा अखबार पाक्षिक के रूप में लिथो प्रेस छपता रहा और फिर ट्रेडिल प्रेस में आकर साप्ताहिक हो गया। ----------.

UTTARAKHAND EXAM NOTES